Name	:	Dr. Rahul Singh
Department	:	Hindi
Date of Birth	:	13.01.1981
Date of Joining	:	01.11.2023
Qualification	:	M.A. & Ph.D.
Designation	:	Associate Professor
Post Held	:	Associate Professor, Department of Hindi, Visva-Bharati, Santiniketan
Ph.D. Supervision	:	----(one)
Article in Journals	:	

किताब :

1. विचार और आलोचना
2. अंतर्कथाओं के आइने में उपन्यास (भारतीय ज्ञानपीठ)
3. हिन्दी कहानी अन्तर्वस्तु का शिल्प
4. विश्व सिनेमा का बाईस्कोप (नॉटनल से ईबुक)

सम्मान/ पुरस्कार

1. सीताराम स्मृति युवा आलोचना पुरस्कार (2017)
2. वनमाली युवा कथा आलोचना सम्मान (2019)
3. देवीशंकर अवस्थी स्मृति सम्मान (2020)

रिसर्च फैलोशिप :

1. डॉ॰ रामदयाल मुंडा शोध संस्थान द्वारा 'औपनिवेशिक काल में बंगला, मराठी और हिन्दी नवजागरण का जनजातीय सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों के साथ तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर शोधवृत्ति प्राप्त

विभिन्न संपादित पुस्तकों में शामिल आलोचनात्मक एवं शोधपरक लेख :

1. अखिलेश द्वारा संपादित 'विचारों का जनतंत्र' में 'मध्यवर्ग की अवधारणा और हिन्दी साहित्य' शीर्षक शोधपरक लेख प्रकाशितप्रकाशक-सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, प्रथम संस्करण - 2018 ISBN 9788173099922
2. संतोष चौबे द्वारा संपादित 'कहानी : स्वप्न और यथार्थ ('नयी सदी में हिंदी की कथा प्रवृत्तियाँ' में 'कला और विचारधारा : उपन्यास केंद्रित विमर्श' और 'कहानी : स्वप्न और यथार्थ' विषयक व्याख्यान संकलित।

3. वंदना झा द्वारा संपादित 'भारतीय सिनेमा का शताब्दी वर्ष : पहचान और प्रतिरोध' में 'साहित्य और सिनेमा का अन्तर्संबंध' विषयक लेख प्रकाशित, प्रकाशक- प्रतिश्रुति प्रकाशन, कोलकाता, प्रथम संस्करण-2016 ISBN 9789383772483
4. प्रदीप कुमार द्वारा संपादित 'समकालीन हिन्दी कविता के सरोकार' में 'समकालीन हिन्दी कविता में सामाजिक और राजनीतिक सन्दर्भ' विषयक लेख प्रकाशित प्रकाशक- मानव प्रकाशन, कोलकाता प्रथम संस्करण-2016 ISBN 9789380332833
5. रविकान्त व आकांक्षा सिंह द्वारा संपादित 'आलोचना और समाज' में 'मध्यकाल : एक मार्क्सवादी नजरिया' विषयक लेख प्रकाशित प्रकाशक- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-2016 ISBN 9789350000878
6. डॉ॰ हिमांशु कुमार द्वारा संपादित 'हिन्दी आलोचना और डॉ॰ विश्वम्भरनाथ उपाध्याय' में 'समकालीन मार्क्सवादः विश्वम्भरनाथ उपाध्याय' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख प्रकाशक- रचना प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण 2015 ISBN 9789381953587
7. महेन्द्र प्रजापति द्वारा संपादित 'हिन्दी सिनेमा : बिम्ब-प्रतिबिम्ब' में 'इम्त्यिज / रॉकस्टार' विषयक लेख प्रकाशित प्रकाशक- शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण-2014 ISBN 789381610442
8. प्रभाकर सिंह द्वारा संपादित 'उपन्यास मूल्यांकन के नये आयाम' में 'गोदानः पढ़ने और परखने के क्रम में' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख प्रकाशक- प्रोग्रेसिव बुक सेण्टर, वाराणसी, प्रथम संस्करण 2014 ISBN 818599711. X
9. डॉ॰ इकरार अहमद 'नये विमर्श और हिन्दी साहित्य' में 'मुर्दहिया और दलित आत्मकथायें' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख प्रकाशक- वांग्मय बुक्स, अलीगढ़, प्रथम संस्करण 2014 ISBN 9789382485445
10. कुसुम राय व मकरेश्वर रजक द्वारा संपादित 'रामविलास शर्मा के चिंतन का पुनर्मूल्यांकन' में 'आलोचना के मानदंडः वैचारिक संघर्ष' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख प्रकाशक- मानव प्रकाशन, कोलकाता, प्रथम संस्करण 2014
11. ISBN 9789380332529
12. हिमांशु द्वारा संपादित 'भूमंडलीकरण और हिन्दी सिनेमा' में 'धोबी घाटः समन्दर और बारिश में भींगी कविता' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख प्रकाशक- आस्था पब्लिकेशन्स, कोलकाता, प्रथम संस्करण 2014
13. ISBN 9788190879651

14. प्रदीप सक्सेना द्वारा संपादित ''रामविलास शर्मा का ऐतिहासिक योगदान' में 'रामविलास शर्मा, हिन्दी नवजागरण और आधुनिकता की उधेड़बुन, विषयक लेख प्रकाशित, प्रकाशक- अनुराग प्रकाशन, नई दिल्ली, ISBN 9788187779933
15. कुमार वीरेन्द्र द्वारा संपादित 'आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य' में 'नगाड़े की तरह बजते शब्द' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख प्रकाशक- पैसिफिक प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 2013 ISBN 9789381630372
16. मनोज कुमार शुक्ल व पुष्पा तिवारी द्वारा संपादित 'भूमंडलीकरण अस्मिता और रामविलास शर्मा' में 'आधुनिकता, अस्मिता और रामविलास शर्मा' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख, प्रकाशक- स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण 2013, ISBN 9789381582503
17. सुभाषचन्द्र गुप्त द्वारा संपादित 'समकालीन दलित लेखनः मूल्य और मूल्यांकन' में 'मुर्दहियाः दलित आत्मकथाओं के आइने में' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख, प्रकाशक- स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण 2013, ISBN 9788181294364
18. नीरज द्वारा संपादित 'राजेश जोशीः स्वप्न और प्रतिरोध' में 'आलोचनात्मक विवेक सम्पन्न कवि की नोटबुक' शीर्षक आलोचनात्मक आलेख, प्रकाशक- स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, ISBN 9789381582503
19. रविरंजन द्वारा सम्पादित 'आलोचना का आत्मसंघर्ष' में 'मैनेजर पाण्डेय की आलोचना दृष्टि' शीर्षक शोधपरक आलेख, प्रकाशक- वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण 2011, ISBN 9789350007716
20. रवीन्द्र कालिया द्वारा सम्पादित 'युवा पीढ़ी की प्रेम कहानियाँ' में 'नहीं, तो, मतलब, लेकिन, हाँ!' कहानी, प्रकाशक-भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली, 2010, ISBN 9788126319589
21. जयनंदन, कमला प्रसाद, स्वयं प्रकाश, राजेन्द्र शर्मा द्वारा सम्पादित समकालीन युवा कहानीः गति-प्रगति (द्वितीय खण्ड) में शोधपरक आलेख 'युवा पीढ़ी : चिन्ता चेतना और रचनाशीलता के धरातल पर'प्रकाशक- साहित्य भंडार-50, चाहचंद, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 2009, ISBN 9788177792133
22. विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित शोधपरक आलेख
23. 'रामविलास शर्मा, हिन्दी नवजागरण और आधुनिकता की उधेड़बुन', उद्भावना रामविलास शर्मा महाविशेषांक वर्ष 26, अंक 104, नवम्बर-दिसम्बर 2012
24. 'धर्मवीर भारती और आधुनिकता की अवधारणा', शोध समवाय त्रैमासिक शोध पत्रिका अंक - 4, अक्टूबर-दिसम्बर 2010
25. 'अज्ञेयः दिक् और काल के बरक्स', तद्भव 23
26. 'मैनेजर पाण्डेय की आलोचना दृष्टि', प्रस्थान, अंक 9-10

27. 'आत्म और अन्य के बरक्स', बहुवचन 21
28. '1857 और हिन्दी नवजागरण', साखी-17 जुलाई-सितम्बर 2008
29. 'महात्मा गँॅधी और सत्याग्रह', ज्ञान रश्मि, जुलाई 2008
30. 'अज्ञेय की पत्रकारिता', जनश्रुत, मई 2008
31. 'मध्यवर्ग की अवधारणा और हिन्दी साहित्य', तद्भव 17
32. 'आधुनिकता और परम्परा का द्वन्द्व', पहल 87
33. 'आधुनिकता अर्थ और अवधारणा', 'नया ज्ञानोदय' फरवरी 2007
34. 'प्रेमचन्द और भूमि समस्या', 'समकालीन संवेद' जुलाई, 2005

विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित आलोचनात्मक लेख

1. हिन्दी पट्टी का सिनेमा, हिन्दी समाज और उसके सवाल', अकार-51, जनवरी 2019
2. 'युवा पीढ़ी के बाद की पीढ़ी पर कुछ टीपें', नया ज्ञानोदय, अक्टूबर 2018
3. 'बेहतर दुनिया का स्वप्न रचती कहानियाँ', संवेद-106, जुलाई 2017
4. 'साहित्य अब भी सिनेमा की तरह कमर्शियल नहीं', साहित्य वार्षिकी, जनवरी 2017
5. 'चरमराते एकेडमिक्स की आहटें', पहल 106,, जनवरी 2017
6. 'आत्मनिर्भर कहानियों के सर्जक', पहल-98
7. 'देह, धर्म और राज्य के इलाके में', पहल-97
8. 'समांतरता के सन्दर्भ', पहल-96
9. 'असंगत की संगत में', पहल-95
10. 'प्रचलित समझदारी के दायरे को फैलाती कहानियाँ', पहल-94
11. 'आस्वाद के अलग धरातल से प्रतिरोध की महीन आवाजें' पहल-93
12. 'विडम्बना और विद्रूप का जटिल समुच्चय', बया अप्रैल-जून 2014
13. 'इस समय के विरल किस्सागो', संवेद फरवरी-अप्रैल 2014
14. 'छुट्टी के दिन का कोरस', संवेद दिसम्बर 2013
15. 'रह गईं दिशायें इसी पार के बहाने', समीक्षा अप्रैल-जून 2013
16. 'संवेदनाओं का किस्सागो', लमही, वर्ष-4, अंक-5, अक्टूबर-दिसम्बर 2012
17. 'यथार्थ की कहानी और कहानी का यथार्थ बतर्ज अखिलेश', बनास जन, फरवरी-अप्रैल 2012, अंक - 2-4, वर्ष-1

18. 'नगाड़े की तरह बजते शब्द', इस्पातिका (आदिवासी विशेषांक) अंक-1, वर्ष-2, जनवरी-जून 2012
19. 'आजादी के बाद हिन्दी कहानी के बदलते सरोकार : आज की हिन्दी कहानी के सन्दर्भ में', लमही अक्टूबर-दिसम्बर 2009
20. 'युवा पीढी : चिन्ता चेतना और रचनाशीलता के धरातल पर', प्रगतिशील वसुधा 80
21. 'सवालों के घेरे में...', सामयिक मीमांसा, जुलाई-सितम्बर 2009
22. 'भारत का ज्ञानोदय : भ्रम या यथार्थ', लोकमत समाचार, दीपावली विशेषांक 2009
23. 'युवा पीढी का एलबम', नया ज्ञानोदय जुलाई 2007
24. 'आधुनिकता का कोई वैश्विक मॉडल नहीं' आलेख प्रभात खबर (12 दिसम्बर 2006)

विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित पुस्तक समीक्षा

1. भारतीय मुसलमान : इतिहास का सन्दर्भ, नया ज्ञानोदय, मार्च 2019
2. उपन्यास और वर्चस्व की सŸा : वीरेन्द्रं यादव, कथाचली, मार्च 2018
3. सिनेमा और साहित्य के अन्तर्संबंधों को थाहती एक किताब, समीक्षा, जनवरी-मार्च, 2018
4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उन्नीसवीं सदी का बनारस, समीक्षा, जुलाई-सितंबर 2017
5. निर्वासनः कृति का मर्म एक विस्तार है, उम्मीद, अंक 3 जुलाई-सितम्बर, 2014
6. लोक को डुबोता तंत्र, लमही जनवरी-मार्च 2014
7. अग्निपर्व शांतिनिकेतनः एक हंगेरियन गृहवधू की डायरी, नया ज्ञानोदय मई 2013
8. 'मुर्दहियाः रेणु के गांव में प्रेमचन्द की रिहाइश', नया ज्ञानोदय नवम्बर 2011
9. 'काटना शमी का वृक्ष पù पंखुरी की धार से', नया ज्ञानोदय अक्टूबर 2011
10. 'आगी लगाई से बरखा रचाई तक', नया ज्ञानोदय, मार्च 2010
11. 'फैलते अंधेरे का सर्जनात्मक प्रतिरोध', नया ज्ञानोदय फरवरी 2009
12. 'सार्त्र असंभव विकल्पों की तलाश', नया ज्ञानोदय नवम्बर 2008
13. 'आलोचनात्मक विवेक सम्पन्न कवि की नोटबुक', सामयिक मीमांसा जुलाई-सितम्बर 2008
14. 'झारखण्ड इनसाइक्लोपीडिया : एक नजर', नया ज्ञानोदय अगस्त 2008
15. 'डॉ अम्बेडकर के प्रशासनिक विचार', मैनेजमेंट इन गवर्नमेंट अप्रैल- जून 2008
16. 'आलोचना की सामाजिकता', नया ज्ञानोदय अप्रैल 2008
17. 'इतिहास और राष्ट्रवाद की रस्साकशी', नया ज्ञानोदय जनवरी 2008
18. मिशन कामयाब लेकिन समर शेष है', 'शब्दयोग' जुलाई 2007

19. ‘अंधेरे समय की वैचारिक यात्रा’, ‘नया ज्ञानोदय’ नवम्बर, 2006

यूजीसी की ईपीजी पाठशाला के लिए कोर्स मॉड्यूल तैयार किया।
इंस्टीट्यूट आव लाईफ लांग लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए तमस उपन्यास के लिए कोर्स वर्क तैयार किया।

FACULTY		
	Name	RAHUL SINGH
	Designation	Associate Professor
	Date of Joining	01-11-2023
	Address	Department of Hindi Bhasha Bhavana (Institute of Languages, Literature & Culture) Visva-Bharati Santiniketan – 731235 Birbhum, WB, INDIA
	Phone	7979847926 / 9308990184
	E-mail	alochakrahul@gmail.com
Google Scholar	-	
Research Gate	-	
Vidwan	-	
CV/Webpage	**CLICK HERE**	